
Shri Varadanarayana Ashtottarashatanamavali

श्रीवरदनारायणाष्टोत्तरशतनामावलिः

Document Information

Text title : Varadanarayana Prarthana Namavali

File name : varadanArAyaNapArthanAnAmAvaliH.itx

Category : vishhnu, varadAnanda, aShTotttarashatanAmAvalI, nAmAvalI

Location : doc_vishhnu

Author : prArthanA by Varadananda Bharati

Proofread by : Preeti Bhandare, Arun Parlikar

Translated by : Preeti Bhandare, Arun Parlikar

Description/comments : See corresponding varadanArAyaNa prArthanA

Acknowledge-Permission: Shri Dasganu Maharaj Pratishthan, Gorte <https://www.santkavidasganu.org>

Latest update : August 18, 2023

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

August 19, 2023

sanskritdocuments.org

श्रीवरदनारायणाष्टोत्तरशतनामावलिः



अथ श्रीवरदनारायणाष्टोत्तरशतनामावलिः ।

- ॐ पद्मासनाय नमः ।
ॐ मणिकुण्डलशोभिताय नमः ।
ॐ भास्वजटाय नमः ।
ॐ मुकुटमण्डितमस्तकाय नमः ।
ॐ लक्ष्मीवराय नमः ।
ॐ जनपालनतत्परायणाय नमः ।
ॐ ध्यानस्थिताय नमः ।
ॐ सरसीरुहलोचनाय नमः ।
ॐ विद्युत्प्रभायुतपयोधरसन्निभाय नमः ।
ॐ मन्दस्मिते नमः । १०
ॐ इन्दुवदनाय नमः ।
ॐ चतुर्भुजाय नमः ।
ॐ सर्वाय नमः ।
ॐ तापशमनाय नमः ।
ॐ नतप्रियाय नमः ।
ॐ भव्याय नमः ।
ॐ भूतजनकाय नमः ।
ॐ सुरोत्तमाय नमः ।
ॐ शर्वाय नमः ।
ॐ सर्वदमनाय नमः । २०
ॐ मनोहराय नमः ।
ॐ व्यासवरदाय नमः ।
ॐ उद्धवादिवरदाय नमः ।
ॐ दयामयाय नमः ।

- ॐ ब्रह्मात्मजसंस्तुताय नमः ।
 ॐ प्रमुखसन्मुनिसंस्तुताय नमः ।
 ॐ श्रीशङ्करेण पुनराहितविग्रहाय नमः ।
 ॐ लक्ष्मीसेविताय नमः ।
 ॐ सुपर्णसेविताय नमः ।
 ॐ धनदसेविताय नमः । ३०
 ॐ अर्जुनसेविताय नमः ।
 ॐ सूर्यार्चिताय नमः ।
 ॐ मरुतात्मजवन्दिताय नमः ।
 ॐ भक्तार्चिषे नमः ।
 ॐ नरसखाय नमः ।
 ॐ सुखप्रदाय नमः ।
 ॐ नन्दप्रियाय नमः ।
 ॐ कपिलाय नमः ।
 ॐ सनातनाय नमः ।
 ॐ दक्षाय नमः । ४०
 ॐ नैकसुखदाय नमः ।
 ॐ गदाग्रजाय नमः ।
 ॐ श्री विठ्ठलाय नमः ।
 ॐ हिमशैलवरे स्थिताय नमः ।
 ॐ गोविन्दाय नमः ।
 ॐ माधवाय नमः ।
 ॐ मुकुन्दाय नमः ।
 ॐ नितान्तकान्तनामप्रियाय नमः ।
 ॐ सुलभाय नमः ।
 ॐ कृपाघनाय नमः । ५०
 ॐ सत्याय नमः ।
 ॐ भक्तहितबोधपरायणाय नमः ।
 ॐ नित्याय नमः ।
 ॐ सर्वगतये नमः ।
 ॐ जगदीश्वराय नमः ।
 ॐ मूर्ताय नमः ।

- ॐ यज्ञपतये नमः ।
ॐ निरुपाधिकाय नमः ।
ॐ देवाय नमः ।
ॐ वेदमतये नमः । ६०
ॐ अमितविक्रमाय नमः ।
ॐ गोपाय नमः ।
ॐ वीराय नमः ।
ॐ विजयाय नमः ।
ॐ धराधराय नमः ।
ॐ बीजाय नमः ।
ॐ सुव्रतकराय नमः ।
ॐ महाधनाय नमः ।
ॐ इज्याय नमः ।
ॐ लोकगुरवे नमः । ७०
ॐ गरुडध्वजाय नमः ।
ॐ कौमोदकीदरसुदर्शननन्दकधराय नमः ।
ॐ दिव्यायुधप्रहरणाय नमः ।
ॐ महाक्रमाय नमः ।
ॐ त्रैलोक्यमङ्गलकराय नमः ।
ॐ रमेश्वराय नमः ।
ॐ रामाय नमः ।
ॐ सत्यतरधर्माय नमः ।
ॐ विदुत्तमाय नमः ।
ॐ प्राणाय नमः । ८०
ॐ बुद्धिकरणाय नमः ।
ॐ शुभेक्षणाय नमः ।
ॐ शुद्धात्मने नमः ।
ॐ करणकार्यकृते नमः ।
ॐ अव्ययाय नमः ।
ॐ प्रेम्णा स्वभक्तजन वाञ्छितपूरणाय नमः ।
ॐ सन्दर्शितात्मवपुषे नमः ।
ॐ नतवत्सलाय नमः ।

- ॐ स्निग्धाय नमः ।
ॐ प्रसन्नाय नमः । ९०
ॐ हसिताय नमः ।
ॐ हितोत्तमाय नमः ।
ॐ स्पर्शेन दिव्यमृदुना नमः ।
ॐ करनीरजस्य नमः ।
ॐ संवर्धकाय चरणानतभाग्यराशे नमः ।
ॐ सञ्जीवकाय नमः ।
ॐ जनकाय नमः ।
ॐ पालकाय नमः ।
ॐ तेजोमयाय नमः ।
ॐ करुणामृतसागराय नमः । १००
ॐ निष्कारणाय नमः ।
ॐ वरदाय नमः ।
ॐ निस्तुलाय नमः ।
ॐ कल्पद्रुमाय नमः ।
ॐ सुखदाय नमः ।
ॐ निरामयाय नमः ।
ॐ नारायणाय नमः ।
ॐ बदरीपतये नमः । १०८

इति श्रीवरदनारायणाष्टोत्तरशतनामावलिः समाप्ता ।

श्रीवरदनारायणाष्टोत्तरशतनामावलिः

सार्था अष्टोत्तरशतनामावलिः

Salutations to the One | | | | |

- ॐ पद्मासनाय नमः ॥ १ ॥ One who is seated in lotus posture
ॐ मणिकुण्डलशोभिताय नमः ॥ २ ॥ One who is adorned with gemmed earrings
ॐ भास्वजटाय नमः ॥ ३ ॥ One who is having shiny hair
ॐ मुकुटमण्डितमस्तकाय नमः ॥ ४ ॥ One whose head is decorated with the crown
ॐ लक्ष्मीवराय नमः ॥ ५ ॥ One who is lord of Lakshmi
ॐ जनपालनतत्पराय नमः ॥ ६ ॥ One who hastens to nourish the people
ॐ ध्यानस्थिताय नमः ॥ ७ ॥ One who is established in meditation
ॐ सरसीरुहलोचनाय नमः ॥ ८ ॥ One who is lotus-eyed
ॐ विद्युत्प्रभायुतपयोधरसन्निभाय नमः ॥ ९ ॥ One who has radiance like a cloud full of lightning
ॐ मन्दस्मिते नमः ॥ १० ॥ One with the gentle smile
ॐ इन्दुवदनाय नमः ॥ ११ ॥ One with the moon face
ॐ चतुर्भुजाय नमः ॥ १२ ॥ One who is four armed
ॐ सर्वाय नमः ॥ १३ ॥ One who is the universal form
ॐ तापशमनाय नमः ॥ १४ ॥ One who allays the mental or physical pain
ॐ नतप्रियाय नमः ॥ १५ ॥ One who is beloved of the saluting devotee
ॐ भव्याय नमः ॥ १६ ॥ The grand one
ॐ भूतजनकाय नमः ॥ १७ ॥ One who is creator of the past and the future
ॐ सुरोत्तमाय नमः ॥ १८ ॥ One who is the best among the gods
ॐ शर्वाय नमः ॥ १९ ॥ One who produces auspiciousness
ॐ सर्वदमनाय नमः ॥ २० ॥ One who is the suppressor (of all kind of evil things)
ॐ मनोहराय नमः ॥ २१ ॥ One who is captivating
ॐ व्यास वरदाय नमः ॥ २२ ॥ One who granted wishes of VyAsamuni

- ॐ उद्धवादिवरदाय नमः ॥ २३ ॥ One who granted wishes of Uddhava and other gopas / gopis
- ॐ दयामयाय नमः ॥ २४ ॥ One who is gracious
- ॐ ब्रह्मात्मजसंस्तुताय नमः ॥ २५ ॥ One who is praised by various sages, sons of Brahma
- ॐ प्रमुखसन्मुनिसंस्तुताय नमः ॥ २६ ॥ One who is praised by prominent and respectable sages
- ॐ श्रीशङ्करेण पुनराहितविग्रहाय नमः ॥ २७ ॥ One whose idol was re-established by Adi Shankaracharya (in the Badrinath temple - one of the four pilgrimage sites (चार धाम). See 108)
- ॐ लक्ष्मीसेविताय नमः ॥ २८ ॥ One who is served by Lakshmi
- ॐ सुपर्णसेविताय नमः ॥ २९ ॥ One who is served by Garuda
- ॐ धनदसेविताय नमः ॥ ३० ॥ One who is served by Kubera
- ॐ अर्जुनसेविताय नमः ॥ ३१ ॥ One who is served by Arjuna
- ॐ सूर्यार्चिताय नमः ॥ ३२ ॥ One who is worshipped by Sun god
- ॐ मरुतात्मजवन्दिताय नमः ॥ ३३ ॥ One who is extolled by the son of air (Hanuman) i.e., Lord Rama
- ॐ भक्तार्चिषे नमः ॥ ३४ ॥ One who is having devotees as his rays
- ॐ नरसखाय नमः ॥ ३५ ॥ One who is companion of man
- ॐ सुखप्रदाय नमः ॥ ३६ ॥ One who bestows happiness
- ॐ नन्दप्रियाय नमः ॥ ३७ ॥ One who is beloved of Nanda
- ॐ कपिलाय नमः ॥ ३८ ॥ One who is like Kapil Muni
- ॐ सनातनाय नमः ॥ ३९ ॥ One who is the oldest but still ever fresh
- ॐ दक्षाय नमः ॥ ४० ॥ One who is vigilant
- ॐ नैकसुखदाय नमः ॥ ४१ ॥ One who gives manifold pleasures
- ॐ गदाग्रजाय नमः ॥ ४२ ॥ One who is elder brother of Gada, the first son of Devarakshita. (She was a sister of Devaki who was also married to Vasudeva.)
- ॐ श्रीविठ्ठलाय नमः ॥ ४३ ॥ One who is Shri Vitthal (himself) (One who is standing on a brick), Pandurang of Pandharpur
- ॐ हिमशैलवरे स्थिताय नमः ॥ ४४ ॥ One who is positioned atop the snow-peaked mountain
- ॐ गोविन्दाय नमः ॥ ४५ ॥ One who is a master of cows; One who gives pleasure to the senses or who enlivens the senses

- ॐ माधवाय नमः ॥ ४६ ॥ One who is the soulmate of Lakshmi
- ॐ मुकुन्दाय नमः ॥ ४७ ॥ One who is a giver of liberation, mukti
- ॐ नितान्तकान्तनामप्रियाय नमः ॥ ४८ ॥ One who is favoured with the epithet of the extraordinary lover
- ॐ सुलभाय नमः ॥ ४९ ॥ One who is easily obtainable
- ॐ कृपाघनाय नमः ॥ ५० ॥ One who is the embodiment of compassion
- ॐ सत्याय नमः ॥ ५१ ॥ One who is the Truth (itself)
- ॐ भक्तहितबोधपरायणाय नमः ॥ ५२ ॥ One who is engaged in providing beneficial instructions to devotees (for attainment of mokSha)
- ॐ नित्याय नमः ॥ ५३ ॥ One who has his ever existent
- ॐ सर्वगतये नमः ॥ ५४ ॥ One who is omnipresent
- ॐ जगदीश्वराय नमः ॥ ५५ ॥ One who is the lord of the universe
- ॐ मूर्ताय नमः ॥ ५६ ॥ One who is the substantial (saguNa) form
- ॐ यज्ञपतये नमः ॥ ५७ ॥ One who is lord of yadnyas, sacrifices
- ॐ निरुपाधिकाय नमः ॥ ५८ ॥ One who is absolute
- ॐ देवाय नमः ॥ ५९ ॥ One who is divine
- ॐ वेदमतये नमः ॥ ६० ॥ One who is regarded as the sacred knowledge
- ॐ अमितविक्रमाय नमः ॥ ६१ ॥ One who is immensely heroic
- ॐ गोपाय नमः ॥ ६२ ॥ One who is the cowherd
- ॐ वीराय नमः ॥ ६३ ॥ One who is the brave
- ॐ विजयाय नमः ॥ ६४ ॥ One who is the victorious
- ॐ धराधराय नमः ॥ ६५ ॥ One who supports the earth
- ॐ बीजाय नमः ॥ ६६ ॥ One who is the seed of all
- ॐ सुव्रतकराय नमः ॥ ६७ ॥ One who follows noble religious vows
- ॐ महाधनाय नमः ॥ ६८ ॥ One who is greatly wealthy
- ॐ ईज्याय नमः ॥ ६९ ॥ One who is to be revered or honoured
- ॐ लोकगुरवे नमः ॥ ७० ॥ One who is the preceptor of the world
- ॐ गरुडध्वजाय नमः ॥ ७१ ॥ One who has Garuda as his flag
- ॐ कौमोदकीदरसुदर्शननन्दक धराय नमः ॥ ७२ ॥ One who holds Kaumodaki (mace), Sudarshana (discus), Nandaka (sword), etc.
- ॐ दिव्यायुधप्रहरणाय नमः ॥ ७३ ॥ One who wields the divine weapons to hit the adversary


- ॐ महाक्रमाय नमः ॥ ७४ ॥ One who is the great rule sanctioned by tradition OR One who sets great rules that become tradition
- ॐ त्रैलोक्यमङ्गलकराय नमः ॥ ७५ ॥ One who makes the three worlds auspicious (by his presence)
- ॐ रमेश्वराय नमः ॥ ७६ ॥ One who is the beloved lord of RamA (Lakshmi)
- ॐ रामाय नमः ॥ ७७ ॥ One who is delightful (as Lord Rama)
- ॐ सत्यतरधर्माय नमः ॥ ७८ ॥ One who is supreme truthful DharmA
- ॐ विदुत्तमाय नमः ॥ ७९ ॥ One who is the wisest philosopher
- ॐ प्राणाय नमः ॥ ८० ॥ One who is full of vitality
- ॐ बुद्धिकरणाय नमः ॥ ८१ ॥ One who is the cause of intellect
- ॐ शुभेक्षणाय नमः ॥ ८२ ॥ One who has auspicious or fair vision
- ॐ शुद्धात्मने नमः ॥ ८३ ॥ One who is pure spirited
- ॐ करणकार्यकृते नमः ॥ ८४ ॥ One who is instrument for well-done work
- ॐ अव्ययाय नमः ॥ ८५ ॥ One who is imperishable
- ॐ प्रेम्णा स्वभक्तजन वाञ्छितपूरणाय नमः ॥ ८६ ॥ One who fulfils desires of his devotees with affection
- ॐ सन्दर्शितात्मवपुषे नमः ॥ ८७ ॥ One who shows his own essentially wonderful and beautiful appearance
- ॐ नतवत्सलाय नमः ॥ ८८ ॥ One who loves the devotees that surrender to him
- ॐ स्निग्धाय नमः ॥ ८९ ॥ One who is affectionate
- ॐ प्रसन्नाय नमः ॥ ९० ॥ One who is tranquil and happy
- ॐ हसिताय नमः ॥ ९१ ॥ One who is smiling
- ॐ हितोत्तमाय नमः ॥ ९२ ॥ One who provides excellent advice
- ॐ स्पर्शेन दिव्यमृदुनाय नमः ॥ ९३ ॥ One who is divinely soft to touch
- ॐ करनीरजस्य नमः ॥ ९४ ॥ One whose hands are like the lotus or one who is holding the (auspicious) lotus
- ॐ संवर्धकाय चरणानतभाग्यराशेः नमः ॥ ९५ ॥ One who enhances the good fortune to those who surrender at his feet
- ॐ सञ्जीवकाय नमः ॥ ९६ ॥ One who enlivens the vitality
- ॐ जनकाय नमः ॥ ९७ ॥ One who is the creator (of the whole universe)
- ॐ पालकाय नमः ॥ ९८ ॥ One who is the guardian protector
- ॐ तेजोमयाय नमः ॥ ९९ ॥ One who is glorious


- ॐ करुणामृतसागराय नमः ॥ १०० ॥ One who is the nectarine ocean of compassion
ॐ निष्कारणाय नमः ॥ १०१ ॥ One who is causeless
ॐ वरदाय नमः ॥ १०२ ॥ One who confers boons
ॐ निस्तुलाय नमः ॥ १०३ ॥ One who is matchless or incomparable
ॐ कल्पद्रुमाय नमः ॥ १०४ ॥ One who is like the wish fulfilling tree in paradise
ॐ सुखदाय नमः ॥ १०५ ॥ One who offers contentment
ॐ निरामयाय नमः ॥ १०६ ॥ One who is having supreme pure healthiness
ॐ नारायणाय नमः ॥ १०७ ॥ One who is the son of the original man (purusha)
ॐ बदरीपतये नमः ॥ १०८ ॥ One who is the lord of Badarinath, related to one of the four pilgrimage sites (चार धाम).

इति श्रीवरदनारायणाष्टोत्तरशतनामावलिः समाप्ता । Thus ends the 108 salutations to the Lord Narayana, the provider (of everything)

Proofread by Preeti Bhandare, Arun Parlikar

Translated by Preeti Bhandare, Arun Parlikar

——
Shri Varadanarayana Ashtottarashatanamavali
pdf was typeset on August 19, 2023

——
Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

